Dr I.S. Chandra

Registration No. UPBIL/1996/7631

UTTAR PRADESH GEOGRAPHICAL JOURNAL

Volume 10 2005

Editor

Dr. J.P. Gupta
Reader and Head
Department of Geography, P.P.N. College
C.S.J.M. University, Kanpur (India)

THE BRAHMAVARTA GEOGRAPHICAL SOCIETY OF INDIA
124 C-1, Indira Nagar, Kanpur - 208 026 (India)

Uttar Pradesh Geographical Journal
Vol. 10, 2005

काँग्रेस का निराशाजनक प्रदर्शन, लोकसभा चुनाव - 2004 : छत्तीसगढ़ प्रदेश के विशेष सन्दर्भ में

डॉ० आई० एस० चन्द्राकर

एलन ऑक्टोवियन ह्यूम नामक एक अवकाश प्राप्त ब्रिटिश अधिकारी ने भारतीय नेताओं के सहयोग से 28 दिसम्बर 1885 को मुम्बई में "भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस" की स्थापना की। अतः भारत में काँग्रेस का पुराना इतिहास रहा है, (स्पेट्रम इयर बुक, 2002, पृ. 1176)। स्वतन्त्रता पूर्व काँग्रेस का एक मात्र उद्देश्य भारत को अंग्रेजों की अधीनता से स्वतन्त्र कराना था, परन्तु स्वतंत्रोत्तर काल में काँग्रेस का उद्देश्य भारतवर्ष का समग्र विकास रह गया है। परिणाम स्वरूप लगभग 25 वर्षों तक काँग्रेस भारतीय क्षितिज पर देदिव्यमान तारे की तरह चमकती रही, राष्ट्र का समग्र विकास हो, इस बात से विरोध, किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल का नहीं हो सकता, परन्तु विरोध विकास के साधन को लेकर अवश्य हो सकता है, इसलिए 1977 के बाद स्वतन्त्रत भारत में कई मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों का उदय हुआ। भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना, तेलगुदेशम, अकाली दल, राष्ट्रीय काँग्रेस पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, जद (यू), बीजू जनता दल, टी.आर.एस, पी.एम.के., डी.एम.के., लोकदल, जनता पार्टी, इत्यादि।

समस्या की जड़ें

लोकसभा चुनाव (2004) में, राष्ट्रीय स्तर पर काँग्रेस गठबन्धन (रा.प्र.ग.) को लोकसभा के लिए 217 स्थान प्राप्त हुए, जबकि राष्ट्रीय जनता पार्टी गठबंधन (रा.ज.ग.) को 186 स्थान प्राप्त हुए, लोकसभा के 543 स्थानों में 140 स्थान अन्य मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को प्रात हुए। राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली की सरकार काँग्रेस गठबंधन की बनी तथा काँग्रेस गठबंधन को लोक सभा में विश्वास मत अर्जित हुआ।

प्रादेशिक स्तर पर, छत्तीसगढ़ प्रदेश में, काँग्रेस का प्रदर्शन बड़ा निराशाजनक साबित हुआ, यद्यपि यहाँ पर गठबंधन की आवश्यकता नहीं हुई। दो बड़े राष्ट्रीय दलों के मध्य जय/पराजय होना था, लोक सभा के लिए 11 स्थानों में मात्र 01 स्थान पर ही काँग्रेस को सन्तोष करना पड़ा, बाकी 10 स्थान भारतीय जनता पार्टी को प्राप्त हुए।

छत्तीसगढ़ में विधान सभा चुनाव (2003) में "इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन" के प्रयोग से मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया। परिणाम स्वरूप विधान सभा चुनाव में मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आदिवासी क्षेत्रों में भी मतदान का उच्चतम प्रतिशत देखा गया। छत्तीसगढ़ में काँग्रेस सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को सर्वाधिक महत्व दिया। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, ग्राम गंगा योजना, सहकारी समिति के स्तर पर अनाज के विपणन की सुविधा, आदि। तथापि विधानसभा चुनाव में काँग्रेस को 37 स्थानों पर ही सन्तोष करना पड़ा। भा. ज.पा. को 53 स्थान प्राप्त हुए।

छत्तीसगढ़ में विधान सभा चुनाव के पश्चात् लोक सभा चुनाव में भा.ज.पा. को दूसरी बार विजयश्री प्राप्त हुई। छत्तीसगढ़ में काँग्रेस का एक क्षत्र राज समाप्त हो गया, यद्यपि सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में काँग्रेस का अपना इतिहास रहा है।

अध्ययन का उद्देश्य

लोक सभा चुनाव 2004 में, सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ से, लोकसभा के लिए 11 स्थानों में मात्र 01 स्थान पर काँग्रेस को सन्तोष करना पड़ा। शोधार्थी ने प्रदेश में काँग्रेस की शर्मनाक पराजय के पीछे चुने गये उत्तरदायी कारकों का वैज्ञानिक अध्ययन किया है।

डॉ० आई. एस. चन्द्राकर, सहायक प्राध्यापक भूगोल, शासकीय दिग्वि. (स्वशासी) महाविद्यालय, राजनाँदगाँव (छ.ग.)।

अध्ययन की विधियाँ

वोट को प्रभावित करने में सामाजिक, आर्थिक तत्वों की अहम भूमिका होती है, अतः शोधार्थी ने विषयगत सामाजिक आर्थिक-चरों का संकलन भिन्न स्रोतों से किया। तत्पश्चात् विश्लेषण की नवीनतम विधि- **'कारक विश्लेषण'** से विषय को सरल बनाया गया है। (शॉ गरेय एवं विलर, 1994, पृ. 274-277)।

छत्तीसगढ़ की पारिस्थितिकी

छत्तीसगढ़, भारत के 26वाँ राज्य के रूप में 01 नवम्बर 2000 को म.प्र. से पृथक होकर मूर्त स्वरूप ले सका। छत्तीसगढ़, म.प्र. के द.पू. में (17° 43' उ. से 24° 5' उ. अक्षांश तथा 80° 15' पू. देशांश से 84° 20' पूर्वी देशांश) में विस्तृत है। प्रदेश का क्षेत्रफल 1,35,191 वर्ग किमी० तथा 2001 की जनगणनानुसार कुल जनसंख्या 2,07,95,956 है। छत्तीसगढ़ नामकरण 36 दुर्गों के आधार पर हुआ है। इसे चावल का कटोरा कहा जाता है। प्रदेश में औसत वार्षिक वर्षा 150 सेमी. होती है। छत्तीसगढ़ आदिवासी बहुल प्रदेश है, जहाँ पर खनिज एवं वन संसाधनों की बहुलता है। प्रदेश की जलवायु उष्ण कटिबंधीय आर्द्र एवं उपार्द्र प्रकार की है। महानदी प्रदेश की मुख्य अनवुर्ती नदी है। शिवनाथ, हासदेव, माँव, इब, पैरी, जोक, केलो, इन्द्रावती, अरपा एवं मनियारी महानदी की अन्य साहयक नदियां है। पुरानी शैल सिस्टम के अन्तर्गत आर्यन शैल सिस्टम एवं प्लीसटोसीन एवं वर्तमान शैलें पाई जाती है। भू-भौतिकी दृष्टि से छत्तीसगढ़ एक भौगोलिक इकाई को व्यक्त करता है। 300 मीटर की समोच्य रेखा से छत्तीसगढ़ चारों तरफ से परिबद्ध है। धर्षित पहाड़ियाँ, तीव्र ढाल वाले कटक, धर्सित पठार एवं प्रौढ़ नदी घाटियाँ प्रदेश की अन्य विशेषताएं हैं।

छत्तीसगढ़ का दो-तिहाई भाग बहुमूल्य वन संसाधनों से ढका है। (45 प्रतिशत)। प्रदेश में गहरी चीका मिट्टी चूना पत्थर के साथ, पीली रेतीली दोमट मिट्टी एवं उपरोक्त दोनों मिट्टियों का समिश्रण पाया जाता है।

प्रदेश की कुल जनसंख्या में 80 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या है, जो प्रत्यक्षतः एवं परोक्षतः कृषि पर निर्भर है।

छत्तीसगढ़ में नहर (74.38 प्रतिशत), ट्यूबवेल (9.65 प्रतिशत), कुँआ (13.72 प्रतिशत), तालाब (5.57 प्रतिशत) एवं अन्य स्रोतों से सिंचाई में भागीदारी 6.59 प्रतिशत है।

छत्तीसगढ़ में काँग्रेस की पारिस्थितिकी

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में (11 लोकसभा क्षेत्रों में) कुल मतदाताओं की संख्या 72,42,100 थी, जिसमें दुर्ग लोकसभा क्षेत्र में संख्या अधिक (7,61,830) तथा बस्तर क्षेत्र में यह संख्या (4,50,417) कम थी। छत्तीसगढ़ से लोकसभा के 11 स्थानों में मात्र 01 स्थान काँग्रेस को प्राप्त हो सका। भा.ज.पा. को 47.85 प्रतिशत, काँग्रेस को 40.44 प्रतिशत तथा अन्य दलों को 11.71 प्रतिशत वोट प्राप्त हो सके।

छत्तीसगढ़ के 11 लोकसभा क्षेत्रों में काँग्रेस के पक्ष में औसत वोट ($\bar{x}$) 39.94 प्रतिशत तथा वोट का मानक विचलन (S.D.) 5.81 प्रतिशत है। औसत मतदान के नीचे सारंगढ़ (31.20 प्रतिशत), बस्तर (35.19 प्रतिशत), रायपुर (35.75 प्रतिशत), कॉकेर (36.35 प्रतिशत), सरगुजा (37.48 प्रतिशत) तथा विलासपुर (38.98 प्रतिशत) जिले सम्मिलित है। अर्थात् छत्तीसगढ़ के 11 लोकसभा क्षेत्रों में, छः क्षेत्रों में औसत से नीचे वोट प्राप्त हुए। औसत + प्रमाप विचलन एक के मध्य ज. चापा (40.71 प्रतिशत), दुर्ग (40.99 प्रतिशत), रायगढ़ (43.92 प्रतिशत), एवं राजनाँदगाँव (45.07 प्रतिशत); चार लोकसभा क्षेत्र सम्मिलित है, जहाँ पर काँग्रेस के पक्ष में 45.75 प्रतिशत वोट पड़ा। सम्पूर्ण प्रदेश में महासमुन्द लोकसभा में काँग्रेस के पक्ष में वोट माध्य + प्रमाप विचलन तीन (57.32 प्रतिशत) के मध्य वोट हुआ। औसत धन प्रमाप विचलन द्वितीय के मध्य लोकसभा क्षेत्र निरंक है। (मा.क्र. 01)

इस प्रकार काँग्रेस के पक्ष में वोट के प्रदर्शन के आधार पर सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ को चार क्षेत्रों में रखा जा सकता है, यथा-

(अ) उत्तम प्रदर्शन

महासमुन्द लोकसभा क्षेत्र में काँग्रेस के पक्ष में उत्तम प्रदर्शन हुआ अर्थात् महासमुन्द को काँग्रेस का गढ़ कहा जा सकता है।

(ब) प्रत्याशित प्रदर्शन

जॉजगीर, चाँपा, रायगढ़, राजनाँदगाँव एवं दुर्ग लोक सभा क्षेत्रों को प्रत्याशित वोट प्रदर्शन वाले क्षेत्रों के रूप में देखा जा सकता है।

(स) अत्यन्त निराशाजनक प्रदर्शन

सारंगढ़, बस्तर, रायपुर, कॉकेर, सरगुजा एवं बिलासपुर

CHHATTISGARH

CONGRESS PERFORMANCE
IN
14TH PARLIAMENTARY ELECTION
2004

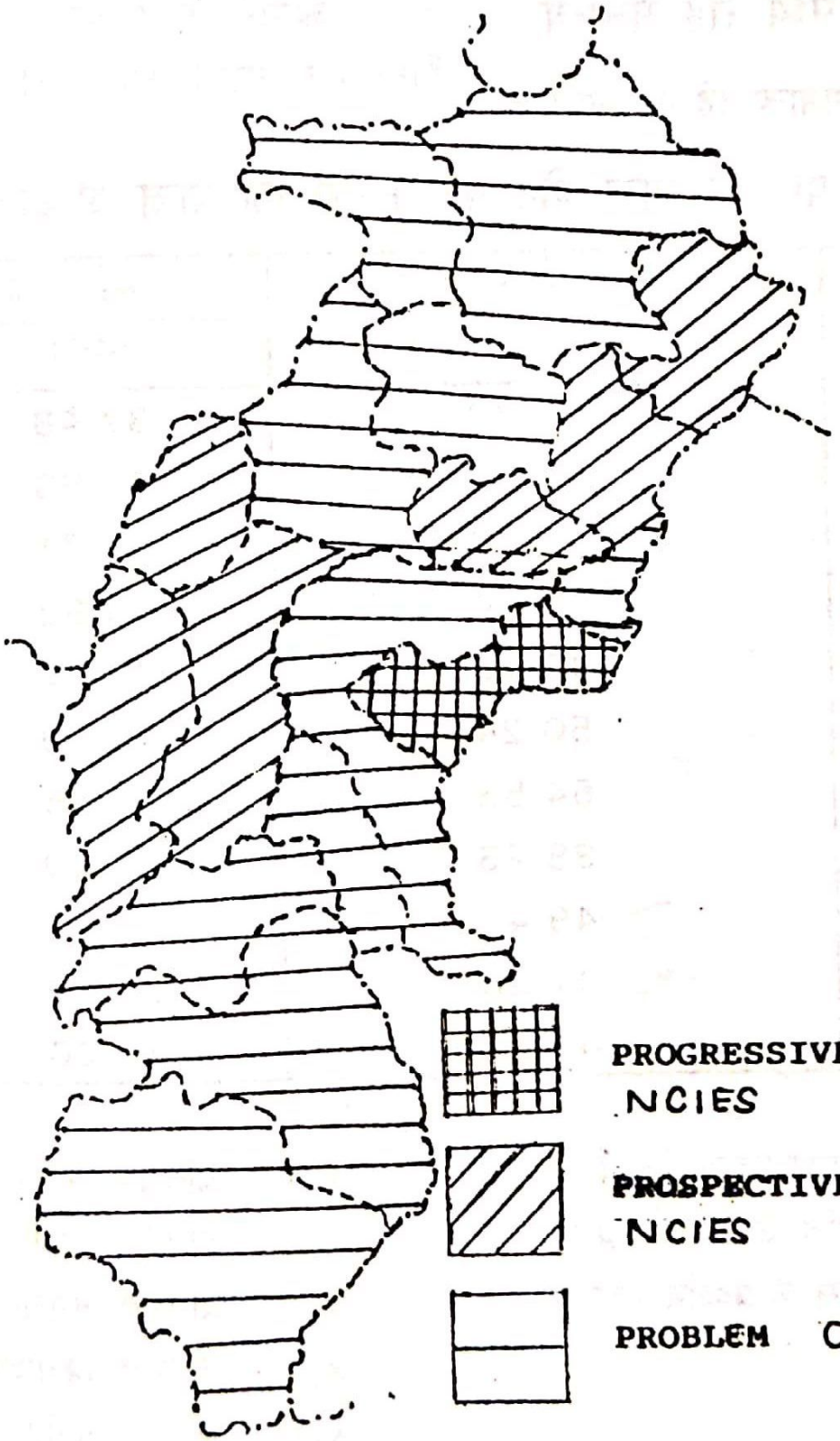

PROGRESSIVE CONSTITUENCIES

PROSPECTIVE CONSTITUENCIES

PROBLEM CONSTITUENCIES

0 20 40 60 80 100 Kms.

लोकसभा क्षेत्रों में काँग्रेस वोट का प्रदर्शन अत्यन्त निराशाजनक माना जा सकता है।

निष्कर्षता यह कहा जा सकता है कि छत्तीसगढ़ के पठारी, पहाड़ी क्षेत्रों में काँग्रेस वोट का प्रदर्शन अत्यन्त निराशाजनक रहा है, जबकि मैदान के मध्य-पूर्वी क्षेत्रों में कांग्रेस वोट का प्रदर्शन उत्तम रहा है।

भा.ज.पा. एवं काँग्रेस वोट के मध्य सह-सम्बन्ध

छत्तीसगढ़ में, 'यदि अन्य बातें सामान्य रहे तो' आज के गठबंधन के दौर में भा.ज.पा एवं काँग्रेस वोट के मध्य न्यूनतम ऋणात्मक सह-सम्बन्ध (r - 0.35) दिखाई देता है। R^2 = 35 प्रतिशत यह प्रदर्शित करता है कि उपरोक्त दलों के मध्य सम्बन्ध 35 प्रतिशत है X चर अर्थात् भा.ज.पा. को प्राप्त वोट, X पर अर्थात् काँग्रेस को प्राप्त वोट अर्थात् $\hat{Y}$ चर पर X का प्रतीकगमन गुणांक ($\hat{Y}$ = 20.292 + 0.41 X) की गणना की गई। X चर के आधार पर $\hat{Y}$ चर का आंकलित मान ($\hat{y}$ = a + bX) निम्नांकित सारणी क्रमांक-01 में दिखाया गया है।

सारणी क्रमांक-01 : भा.ज.पा. को प्राप्त वोट पर काँग्रेस को प्राप्त आंकलित वोट (प्रतिशत में)

क्र.	लोकसभा क्षेत्र	भा.ज.पा. को प्राप्त वोट	काँग्रेस को प्राप्त वोट	
			वास्तविक	आंकलित
1.	सरगुजा	52.79	37.48	41.92
2.	विलासपुर	53.18	38.98	42.09
3.	ज. चाँपा	42.29	40.71	37.63
4.	रायगढ़	50.74	43.92	41.09
5.	राजनाँदगाँव	47.22	45.07	39.65
6.	दुर्ग	50.24	40.99	40.88
7.	रायपुर	54.53	35.75	42.64
8.	महासमुन्द	38.43	53.80	36.04
9.	काँकेर	49.48	36.35	40.57
10.	वस्तर	47.26	35.19	39.66
11.	सारंगढ़	41.26	31.20	37.20

स्रोत - आंकलित

उपरोक्त सारणी के प्रदर्शन से यह तथ्य प्रकट होता है कि काँग्रेस को प्राप्त आंकलित वोट धनात्मक प्रवृत्ति को प्रदर्शित करता है। (ग्राफ क्र.-01)। उल्लेखित ग्राफ में काँग्रेस के प्रदर्शन स्तर को भी दिखाया गया है।

विश्लेषण

काँग्रेस वोट को प्रभावित करने वाले कारण

काँग्रेस की आशा के विपरीत प्रदर्शन के लिए उत्तरदायी कारकों को सामाजिक-आर्थिक दो संवर्गों में रखा जा सकता है, यथा-

(अ) सामाजिक

x_1 जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग किमी.

x_2 प्रतिशत साक्षर जनसंख्या

x_3 प्रतिशत नगरीय जनसंख्या

x_4 प्रतिशत नगरीय साक्षर जनसंख्या

x_5 प्रतिशत क्रियाशील जनसंख्या

x_6 प्रतिशत ग्रामीण साक्षर जनसंख्या

x_7 प्रतिशत अक्रियाशील जनसंख्या

x_8 प्रतिशत कृषक जनसंख्या

x_9 प्रतिशत कृषि मजदूर

x_{10} प्रतिशत अ.ज.ज. जनसंख्या

(ब) आर्थिक

x_{11} निराफसल क्षेत्रफल में प्रतिशत दो फसली

x_{12} निरा फसल क्षेत्रफल में प्रतिशत सिंचित क्षेत्रफल।

CHHATTISGARH

REGRESSION LINE BETWEEN X-Y VARIABLES

$$\hat{Y} = 20.292 + 0.41\ X$$

$$r = -0.35$$

$$R^2 = 35\%$$

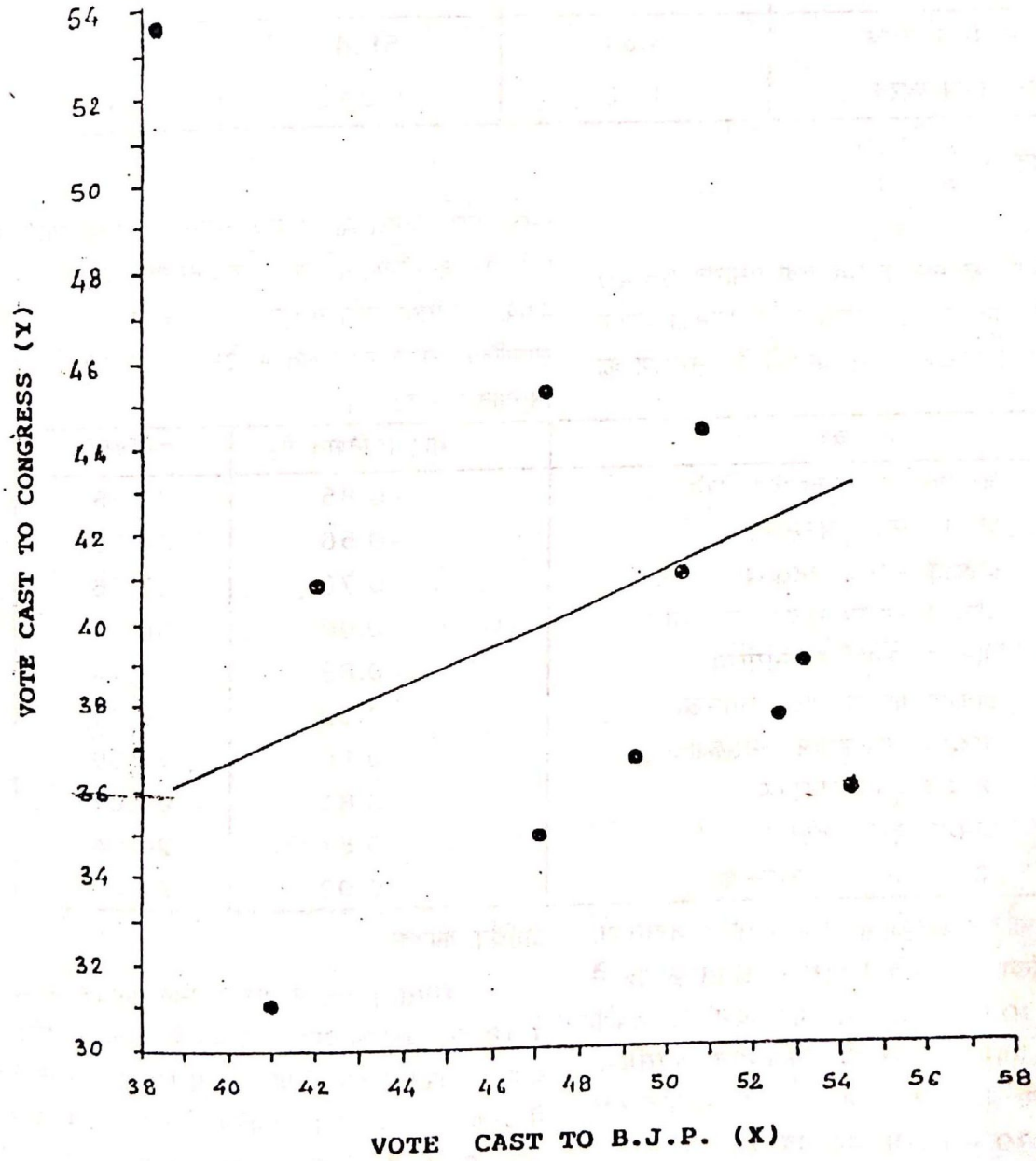

कॉंग्रेस वोट के विशेष सन्दर्भ में उपरोक्त सामाजिक, आर्थिक कारकों के मध्य सह-सम्बन्धों को 13 × 13 मेट्रिक्स में प्रदर्शित किया गया एवं सह-सम्बन्ध की सार्थकता की जाँच 'टी' परीक्षण से की गई।

उपरोक्त सामाजार्थिक चरों में, कॉंग्रेस के पक्ष में सकारात्मक वोट जनसंख्या का घनत्व, नगरीय साक्षर जनसंख्या, ग्रामीण साक्षर जनसंख्या, अक्रियाशील जनसंख्या, कृषक जनसंख्या तथा कृषि मजदूर ने किया, जबकि नगरीय जनसंख्या, क्रियाशील जनसंख्या, अ.ज.जा. जनसंख्या, दो फसली क्षेत्र तथा सिंचित क्षेत्रों में नकारात्मक वोट पड़े।

कारकों का विश्लेषण

प्रमुख कारकों के मान, प्रसारण तथा संचयी प्रसारण का विवरण निम्नांकित सारणी में प्रदर्शित किया गया है।

सारणी 03 : छत्तीसगढ़ : लोकसभा चुनाव 2004 में कॉंग्रेस के पक्ष में सामाजिक कारकों का प्रभाव

कारक	कारक का मान	प्रसारण प्रतिशत	संचयी प्रसारण
सामाजिक प्रथम प्रमुख कारक	5.54	55.40	55.40
आर्थिक द्वितीय प्रमुख कारक	1.18	9.83	65.23

*प्रसारण प्रतिशत $\frac{\lambda}{n} \times \frac{100}{1}$

सामाजिक कारक

उपरोक्त कारकों का मान 5.54 तथा प्रसारण 55.40 प्रतिशत है। इसके अन्तर्गत दस चर सम्मिलित है, जिनका कारक भार –0.50 प्रतिशत से अधिक है। इन कारकों में जनसंख्या का घनत्व, साक्षर जनसंख्या, नगरीय जनसंख्या, नगरीय साक्षर जनसंख्या, क्रियाशील जनसंख्या, ग्रामीण साक्षर जनसंख्या, अक्रियाशील जनसंख्या, कृषक जनसंख्या, कृषि मजदूर एवं अ.ज.जा. जनसंख्या जैसे प्रमुख सामाजिक कारक सम्मिलित है, इन कारकों के भार एवं संचयिता निम्नांकित स्पष्ट है।

क्रमांक	चर	भार (प्रतिशत में)	संचयिता
1.	जनसंख्या का घनत्व/वर्ग किमी.	–0.85	72.25
2.	प्रतिशत साक्षर जनसंख्या	–0.56	31.36
3.	प्रतिशत नगरीय जनसंख्या	–0.76	57.76
4.	प्रतिशत नगरीय साक्षर जनसंख्या	–0.60	36.00
5.	प्रतिशत क्रियाशील जनसंख्या	–0.88	77.44
6.	प्रतिशत ग्रामीण साक्षर जनसंख्या	–0.52	26.01
7.	प्रतिशत अक्रियाशील जनसंख्या	–0.86	73.96
8.	प्रतिशत कृषक जनसंख्या	–0.81	65.61
9.	प्रतिशत कृषि मजदूर	–0.51	27.04
10.	प्रतिशत अ.ज.जा जनसंख्या	–0.93	86.49

उपरोक्त सामाजिक कारकों में- ग्रामीण साक्षर जनसंख्या, नगरीय साक्षर जनसंख्या तथा कृषि मजदूरों ने कॉंग्रेस के पक्ष में मध्यम नकारात्मक (0.50 – 0.69) वोट दिया है, जबकि जनसंख्या घनत्व, नगरीय जनसंख्या, क्रियाशील जनसंख्या, अक्रियाशील जनसंख्या, कृषक जनसंख्या, अ.ज.जा. ने उच्च स्तर पर नकारात्मक (0.70 – 1.00) वोट दिया है।

आर्थिक कारक

कॉंग्रेस के पक्ष में वोट के लिए आर्थिक कारकों का मान 1.18 तथा प्रसारण प्रतिशत 9.83 है, इसके अन्तर्गत दो कारक यथा- निराफसल क्षेत्र में प्रतिशत दो फसली तथा निराफसल क्षेत्र में प्रतिशत सिंचित क्षेत्र सम्मिलित है। उक्त आर्थिक कारकों का भार –0.75 से अधिक है। निराफसल क्षेत्र में प्रतिशत दो फसली की संचियता 56.25 प्रतिशत तथा निराफसल क्षेत्र में प्रतिशत

सिंचित क्षेत्र की संचयिता 62.41 प्रतिशत है, जो कि उच्च नकारात्मक वोट प्रदर्शित करते हैं।

निष्कर्ष

14वाँ लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ से 11 संसदीय क्षेत्रों में से मात्र महासमुन्द संसदीय क्षेत्र से ही काँग्रेस को सन्तोष करना पड़ा।

शोधार्थी ने कांग्रेस के पक्ष में नकारात्मक वोट के लिए उत्तरदायी सामाजिक आर्थिक कारकों का विश्लेषण किया है।

छत्तीसगढ़ के जन-घनत्व वाले क्षेत्र, साक्षर जनसंख्या, नगरीय जनसंख्या, नगरीय साक्षर जनसंख्या, क्रियाशील जनसंख्या, ग्रामीण साक्षर जनसंख्या, अक्रियार्शाल जनसंख्या, कृषक जनसंख्या, कृषि मजदूर, अ.ज.जा. क्षेत्र, दो फसली क्षेत्र तथा सिंचित क्षेत्र, काँग्रेस के वोट बैंक हुआ करते थे, परन्तु गत लोकसभा चुनाव में उपरोक्त क्षेत्रों ने काँग्रेस के वोट बैंक को बुरी तरह प्रभावित किया है।

अतः काँग्रेस को निचले स्तर से उच्च स्तर पर पुनः संगठित कर एक नवीन व्यूह रचना से काँग्रेस में नवीन ऊर्जा का संचार किया जा सकता है, लेकिन इस दिशा में काँग्रेस के प्रति गहरी आस्था की आवश्यकता है।

References

1. Carry, G.W., 1969, "Principal Component factor analysis and its application in geography", Quantitative Methods in Geography, Am. Geog. Soc. Symp., New York.
2. Cattell, R.B., 1978, The Scientific Use of Factor Analysis, Plenum Press, New York.
3. Clark, D. Davis, W.K.D., and Johnston, R.L., 1974, 'The application of Factor analysis in human geography', The Statistician 23, PP. 259–281.
4. Colley, W.W., and Lohnes, P.R., 1977, Multivariate Data Analysis, Wiley, New York.
5. Dikshit, R.D., and Sharma, V., 1973 Voting Preferences in State vis-A-vis National Elections Under a federal system : A case study of Haryana (India), Trans. Inst. Indian Geographers, Vol. 15, : 49–70.
6. Gareth, Shaw & Dennis Wheeler, 1994, Statistical Technique in Geographical Analysis, John Wiley & Sons.
7. Harman, M.H., 1967, Modern Factor Analysis, Chicago Univ. Press, Chicago.
8. Kim, J.O., and Mueller, C.W., 1978, Introduction to Factor Analysis, Sage University Paper 13 and 14, Sage Publication, London. Provides an introductory explanation.
9. Meyer, D.R., 1971, 'Factor analysis versus correlation analysis are substantive interpretation congruent', Econ. Geog. 47, 336-343, A broad discussion on the relative merit of factor analysis compared with correlation techniques, that emphasizes the Choices available to the researcher.
10. Singh, S., 1994, Social Ecology of the Congress Party Vote in Himanchal Pradesh; Assembly Elections (1982-1990), trans. Inst. Indian Geographers, Vol. 16 : 123–133.

    Specturm General Knowledge Year Book, 2002, New Delhi.
11. Tiwari, V., 2004, Geography of Chhattisgarh, Himalayan Publication, Mumbai.
12. 14th LOK Shabha Election, Result Published, Dainik-Bhaskar, May 14, 2004, p.07.
13. श्रीवास्तव, बी.के. 1995, भूगोल की सांख्यिकीय विधियाँ, वसुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर, उ.प्र.।

+++